RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : मंगलवार 27 फरवरी 2024 | वर्ष 05 | अंक 306 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मनपा अधिकारियो के सामने एक महीने में 3700 करोड़ वसूलने का टारगेट

प्रॉपर्टी टैक्स का बिल देने की हुई शुरूआत...

मुंबई। मनपा प्रशासन ने मुंबई की जनता को पिछले एक साल से भेज न पाने वाले प्रॉपर्टी टैक्स भेजने की शुरूआत सोमवार से कर दी है।मनपा अधिकारियो को एक महीने के भीतर 3 हजार 700 करोड़ वसूल करने का टारगेट को पूरा करना होगा। प्रॉपर्टी टैक्स का बिल साल में दो बार भेजा जाता है लेकिन रेडीरेकनर की दर पर प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा अभी लिए जानें के कारण मनपा अब बिल भेजने काम कर रही है।

बता दे कि मनपा प्रशासन इस साल अभी तक प्रॉपर्टी टैक्स का बिल मुंबई के लोगो को नही भेज पाई थी।मनपा ने इस साल 4 हजार 500 करोड़ प्रॉपर्टी टैक्स से कमाई होने का लक्ष्य रखा था। अभी तक मनपा को मात्र 800 करोड़ की कमाई हुई है।मनपा प्रॉपर्टी टैक्स के अधिकारीयों को अब अगले एक महीने में अब 3 हजार 700 करोड़ का वसूली करना होगा। कोरोना काल के समय वर्ष 2020 में रेडी रेकनर की दर से टैक्स में बढ़ोत्तरी किया जाना था।

नियमानुसार हर 5 साल में रेड़ीरेकनर की दर से प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाया जाना चाहिए।इसके पहले वर्ष 2015 में प्रॉपर्टी टैक्स (ढ१ड्ढस्त्री१३८ ३्७) में बढ़ोत्तरी हुई थी। यह साल लोकसभा विधानसभा और मुंबई महानगर पालिका का चुनावी वर्ष होने के कारण टैक्स में बढ़ोत्तरी का निर्णय सरकार नहीं लेगी इस तरह की पहले से संभावना थी लेकिन इसके बावजूद मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने जून महीने में टैक्स की बढ़ोत्तरी नही कर पाने के बावजूद दिसंबर 2023 में प्रॉपर्टी टैक्स में बढ़ोत्तरी करने का निर्णय लिया था लेकिन उन्हें एक दिन में अपना निर्णय वापस लेना पड़ा था जबकि उस समय मनपा ने सभी को प्रॉपर्टी टैक्स का बिल भेज दिया था ।राज्य सरकार द्वारा पिछले दिनो कैबिनेट में प्रॉपर्टी टैक्स नही बढ़ाने का लिए गए निर्णय और उसका अध्यादेश निकलने के अब मुंबई के लोगो को प्रॉपर्टी टैक्स का बिल भेजने की शुरूआत की है।

9 लाख लोगो को भेजा जाएगा बिल

मनपा प्रशासन 9 लाख लोगो को प्रॉपर्टी टैक्स का बिल देने की शुरूआत कर दी है ।राज्य सरकार ने 500 वर्ग फूट तक के लोगो को प्रॉपर्टी टैक्स नही लेने का निर्णय लिया है ।जिसके चलते 500 वर्ग फूट से बकाया लोगो को प्रॉपर्टी टैक्स का बिल भेजा जाएगा। मनपा कर्मियो को अब मार्च आखिरी तक 3 हजार 700 करोड रुपया प्रॉपर्टी टैक्स का बिल वसूल करना होगा।

एक महीने में बिल नही भरने पर लगेगा 2 प्रतिशत दंड

मनपा प्रशासन प्रॉपर्टी टैक्स नही भरने पर मनपा अप्रैल महीने से 2 प्रतिशत दंड लगाने का काम करेगी । मनपा प्रॉपर्टी टैक्स का बकाया बिल नही देने पर दंड लगाने की कार्रवाई करेगी।

महाराष्ट्रः मनोज जरांगे की मुश्किलें बढ़ीं

बीड में दर्ज हुआ मामला, डिप्टी CM पर लगाए थे आरोप

मुंबईः मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे पाटिल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करना उन्हें महंगा पड़ गया है। मनोज जरांगे पाटिल के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस ने एक्शन शुरू कर दिया है। जरांगे के खिलाफ बीड जिले में मामला दर्ज हुआ है।

क्या है पूरा मामला?

जरांगे के खिलाफ शिरूर पुलिस स्टेशन और अमलनेर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मनोज जरांगे पाटिल ने आम लोगों को चक्का जाम करने के लिए उकसाया था। जरांगे पाटिल की अपील के बाद शिरुर और अमलनेर में बड़ा चक्का जाम किया गया था। इस चक्काजाम की वजह से लोगों को काफी असुविधा हुई थी।

बीड जिले के एसपी नंदकुमार ठाकूर ने इंडिया टीवी को बताया कि चक्काजाम करना अपराध की श्रेणी

में आता है। मनोज जरांगे ने आम लोगों को चक्काजाम करने के लिए उकसाया, जो कानूनन अपराध है। अब मनोज जरांगे पाटिल के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा बीड जिले में 22 अन्य जगहों पर भी चक्काजाम करने के मामले में ऋक्रदर्ज की गई है। इन सभी केस में भी जरांगे पाटिल को आरोपी के तौर पर नामजद करने पर कानूनी सलाह भी ली जा रही है।

बीड जिले में बढ़ाई गई सुरक्षा

हिंसा की आशंका के मद्देनजर बीड जिले में सुरक्षा बढ़ाई गई है। बाहरी लोगों को बिना जांच के बीड जिले में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। बीड जिले में 38 जगहों पर नाकाबंदी की गई है। जिले में इंटरनेट सेवा बंद है।

मिलन सबवे के कमर्शियल सेंटर में भीषण आग, 37 लोगों को बचाया गया

मुंबईः सांताक्रूज वेस्ट के मिलान सबवे के पास स्थित ऑप्शंस कमर्शियल सेंटर में सोमवार शाम को आग लग गई। घटना की सूचना तुरंत बीएमसी के एमएफबी को दी गई ।आग, जो 02 बेसमेंट प्लस ग्राउंड प्लस ऊपरी 02 मंजिल वाली वाणिज्यिक इमारत की दूसरी मंजिल पर बिजली के तारों और प्रतिष्ठानों तक सीमित थी, ने अधिकारियों से तत्काल प्रतिक्रिया व्यक्त की ।कॉल के कुछ ही मिनटों के भीतर, एमएफबी ने शाम 5:41 बजे लेवल क फायर आपातकाल की घोषणा की, जिससे संसाधनों को जुटाना शुरू हो गया। चार दमकल गाड़ियां, एक मोबाइल फायर टेंडर (एमएफटी), एक त्वरित प्रतिक्रिया वाहन (क्यूआरवी), एक एरियल वॉटर टावर टेंडर (एडब्ल्यूटीटी), दो जेट टेंडर (जेटी), एक टर्नटेबल लैडर (टीटीएल), और एक 108

एम्बुलेंस को भेजा गया।

आपातकालीन सेवाओं के ठोस प्रयासों से इमारत की दूसरी मंजिल और छत पर फंसे 37 लोगों को सफलतापूर्वक बचाया गया। अग्निशमन कर्मियों ने टीटीएल और सीढ़ियों दोनों का उपयोग करते हुए बचाव अभियान को सटीकता और दक्षता के साथ अंजाम दिया ।समन्वित प्रतिक्रिया में मुंबई फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस, 108 एम्बुलेंस सेवाओं और वार्ड स्टाफ सहित कई एजेंसियां शामिल थीं ।सौभाग्य से, आग फैलने के परिणामस्वरूप किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम ने पकड़ा 4 करोड़ का सोना

कपड़े और हैंडबैग में था छुपाया..

मुंबई : एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अधिकारियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये के सोने की तस्करी को नाकाम कर दिया है। अधिकारिक बयान के अनुसार, कस्टम ने तीन दिनों में गोल्ड तस्करी के कई मामले पकड़े और कुल 4.06 करोड़ रुपये का सोना और एक महंगा फोन जब्त किया है।

कपड़ों और हैंडबैग में छिपाया

अधिकारियों ने बताया कि 23 से 25 फरवरी के बीच मुंबई कस्टम के एयरपोर्ट कमिश्नरेट ने 7.57 किलोग्राम से अधिक सोना और एक आईफोन जब्त किया। तस्करी कर लाया गया सोना बड़ी चालाकी से यात्रियों के पहने कपड़ों और हैंडबैग

में छिपाया गया था। इससे पहले 18 से 24 फरवरी के बीच एक अलग मामले में कस्टम अधिकारियों ने सात अलग-अलग तस्करी के मामलों का पदार्फाश किया। सघन जांच में आरोपियों के पास से 4.09 करोड़ रुपये मूल्य का 7.64 किलो सोना बरामद किया गया। तस्करों ने अवैध गतिविधि को अंजाम देने के लिए एक मोबाइल कंपनी के रिटेल कर्मचारियों का भी सहारा लिया। आरोपियों ने हॉट पैन, साइकिल, विमान की सीट, बैग के कोने की पाइपिंग में और चेक-इन बैग जैसी विभिन्न वस्तुओं में तस्करी का सोना छुपाया था। गोल्ड स्मलिंग के नेटवर्क का पता लगाने के लिए मामले की छानबीन जारी है।

दिंडोशी; घर में अंधाधुंध फायरिंग

मुंबई : मुंबई के दिंडोशी इलाके में एक घर में अंधाधुंध फायरिंग शुरू हो गई। हालांकि जिस शख्स ने फायरिंग की है वह अपने बंद घर में ही फायरिंग कर रहा था। उसकी पत्न ी और बच्चा घर के बाहर ही थे। फायरिंग की आवाज सुनकर पत्नी और बच्चे ने पुलिस की मदद मांगी। पुलिस की टीम मौके पकर पहुंची और दरवाजा खुलवाया। घर में जगह जगह गोली के निशान पड़े हुए थे। इसके बाद उस शख्स को हिरासत में लिया गया। जानकारी के मुताबिक फायरींग करनेवाले शख्स का नाम राजीव एम रंजन है। दिंडोशी पुलिस के मुताबिक, खुद को कमरे में बंद करने वाले शख्स राजीव रंजन ने कमरे के अंदर ही लाइसेंसी रिवॉल्वर से कई राउंड फायरिंग की।

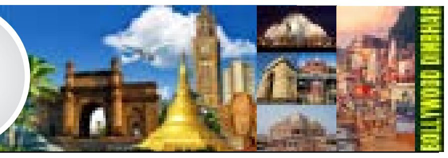

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

घाटे के शहर...

स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विकसित हो रहे हिमाचल के दो शहरों के बजट की दास्तान यह समझाने में असमर्थ है कि भविष्य की तिजोरी में क्या छिपा है। घाटे के शहरों पर लादे गए प्रशासनिक व आर्थिक सपने केवल सियासी ताजपोशी के मंसूबे बनकर रह गए हैं। आखिर नागरिक भागीदारी में धर्मशाला और शिमला जैसे शहरों का भविष्य पढ़ा कहां जाए। सिर्फ आंकड़ों के लाग-लपेट में शहरीकरण की यह तस्वीर धुंधली है। कम से कम राष्ट्रीय स्वच्छता के मानदंडों व सर्वेक्षणों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि शिमला जैसे शहर की तहजीब भी अब इस काबिल नहीं कि मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर की ओर स्वच्छता की दृष्टि से आंख उठाकर देखा जा सके। क्या आने वाले वर्ष में गंदगी और कूड़ा-कर्कट प्रबंधन के दाग मिट जाएंगे। क्या ऐसे प्रयास या दावे शिमला व धर्मशाला के बजटों में हो रहे हैं। विडंबना यह है कि शहरी बजट की तासीर में ऊंचे सपने हैं ही नहीं और न ही हाल ही में आया सुक्खू सरकार का बजट बता रहा है कि प्रदेश के नगरों में नागरिक जीवन में सुधार आएगा कैसे। शिमला-धर्मशाला की स्थिति बेहतर हो सकती थी, लेकिन स्मार्ट सिटी परियोजना का कार्यान्वयन धोखा दे रहा और तालमेल की कमी ने इस वसंत को भी उजाड़ दिया। अगर हम शहरी आर्थिकी के हिसाब से हिमाचल के नगर निकायों की परवरिश करते, तो एक अलग मुकाम पर इसके जरिए रोजगार व व्यापार खड़ा होता। धर्मशाला जैसे नए नगर निगम को अपने अस्तित्व के आठ साल गुजारने के बाद भी मालूम नहीं है कि नई प्रबंधकीय व्यवस्था से ऐसा क्या अंतर आ गया। शहरों का कद जिन ग्रामीण इलाकों में फैल रहा है, वहां शहरी एहसास को पेश करने के लिए सरकार की ओर से विशेष पैकेज होने चाहिएं, ताकि मर्ज्ड एरिया का नियमन तीव्रता से हो। शहरों के बीच कर ढांचे की दीवारें खड़ी कर देने से नए नगर निगमों के उद्देश्य ही खंडित होंगे।

हिमाचल में शहरीकरण दो जमा दो चार नहीं हो सकता और न ही यह मैदानी इलाकों की तरह का गणित है। जो प्रदेश कुछ समय पहले तक नब्बे फीसदी से भी अधिक भाग को ग्रामीण मानकर चल रहा था, वहां यथार्थ में अब यह घटकर सत्तर प्रतिशत से भी कम है, लेकिन किसी भी सरकार ने आज तक शहरी आबादी का गणित बजट में नहीं किया। आज भी राजनीतिक नेतृत्व टीसीपी के दायरे से क्षेत्रों को हटाने की वकालत करता देखा जाता है। उदाहरण के लिए धर्मशाला के साथ लगते योल छावनी क्षेत्र का प्रबंधन दशकों से एक खास सैन्य व नागरिक शहर के रूप में होता रहा, लेकिन अब इसे ग्रामीण मानकर राजनीति भले ही प्रसन्न हो जाए, वहां की व्यवस्था व गंदगी का आलम नरक में धकेल रहा है। इस क्षेत्र को धर्मशाला नगर निगम के सुपुर्द किया जाता, तो शहरी प्रबंधन की आदत से सराबोर क्षेत्र अपनी मिलकीयत में दाग लगाने से बच जाता। शहरों को अगर ढंग से चिन्हित करें, तो विकास के मील पत्थर और आर्थिक वृद्धि की अधोसंरचना का विकास होगा। शहर अपनी कमाई का जरिया ढूंढ रहे हैं, लेकिन पार्षदों का टोला हाथ आई सियासत को मुफ्त में खोना नहीं चाहते। नगर निगमों की संख्या में विस्तार का औचित्य पूरा करना है, तो उन्हें आगे बढ़ का रास्ता भी दिखाना होगा। यह इसलिए कि शिमला के खाते में ग्रीन टैक्स दस करोड़ ला सकता है, तो इसी तर्ज पर धर्मशाला नगर निगम को भी ऐसी मेहनत करनी चाहिए। विडंबना यह है कि शहर अपनी भूमि, अपनी संपत्ति, अपनी संभावना, अपनी क्षमता और अपनी दृष्टि का नुकसान कर रहे हैं और यह इसलिए हो रहा है क्योंकि शहर की काबिलीयत बढ़ाने के लिए जनता अभी पार्षदों की पृष्ठभूमि नहीं बदल रही।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalrokthok
#faisalrokthok

जरांगे पाटिल के आक्रामक रुख और भाषणों में अपशब्दों के इस्तेमाल... कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मराठा आरक्षण को लेकर मनोज जरांगे की ओर से लगाए गए बेबुनियाद आरोपों की निंदा की है. उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम फडणवीस के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने के बाद उन्हें उनकी सरकार के धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए. जरांगे को जवाब देते हुए शिंदे ने एनसीपी के प्रमुख शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे पर भी निशाना साधा. अंतरवाली सारथी में बोलते हुए, जरांगे ने कहा था कि फडणवीस उन्हें मारने की कोशिश कर रहे थे. जारांगे ने यह भी घोषणा की कि वह मुंबई तक मार्च करेंगे और डिप्टी सीएम के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे. जरांगे ने आरोप लगाया कि उन्हें सलाइन के माध्यम से जहर देने का प्रयास किया गया था.

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि जो लोग सरकार के खिलाफ बार-बार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें हमारे धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए. उन्हें कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए. मुझे आश्चर्य है कि जरांगे का भाषण आम तौर पर शरद पवार और उद्धव ठाकरे की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली स्क्रिप्ट जैसा क्यों दिखता है. वह महाराष्ट्र विधानमंडल के सत्र की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से बात कर रहे थे. राज्य विधानमंडल का बजट सत्र सोमवार से 1 मार्च तक चलेगा. जरांगे के आक्रामक रुख और उनके भाषणों में अपशब्दों के इस्तेमाल पर एकनाथ शिंदे ने कहा कि कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी. सीएम ने कहा कि यह एक साजिश चल रही है और इसे जल्द ही उजागर किया जाएगा. सीएम ने कहा, ''पहले, मैं मानता था कि जरांगे मराठा समुदाय के लिए लड़ने वाला एक सच्चा व्यक्ति है. लेकिन आज उनकी ओर से कहे गए शब्द राज्य की राजनीतिक संस्कृति से मेल नहीं खाते. मुझे आश्चर्य है कि क्या कोई उसे ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने के लिए उकसा रहा है.

मैंने एक विचारधारा और उद्देश्य के साथ बिना किसी समझौता किए विकास कार्यों को पूरा करने के इरादे से अपनी भूमिका निभाई है- अजित

मुंबई : महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने अपने 'एक्स' हैंडल पर एक बयान जारी कर पाला बदलने और बीजेपी और शिवसेना से हाथ मिलाने के अपने कारणों को साफ किया है. अजीत पवार ने अपने बयान में कहा है- ''मैंने एक विचारधारा और उद्देश्य के साथ बिना किसी समझौता किए विकास कार्यों को पूरा करने के इरादे से अपनी भूमिका निभाई है''. डिप्टी सीएम अजित पवार ने देश के पीएम और गृहमंत्री की भी तारीफ की. उन्होंने कहा- ''मैंने पाया कि इस देश में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में महत्वपूर्ण विकास कार्य हो रहे हैं. मुझे उनके नेतृत्व और सही निर्णय लेने

की प्रक्रिया जैसे गुण पसंद आए. मेरी और उनकी कार्यशैली बहुत समान है. बड़ों का अनादर करने का मेरा कोई इरादा नहीं है.'' बता दें कि अजित पवार जुलाई 2023 में एनसीपी के 8 विधायकों के साथ महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे. प्रदेश में इस सियासी घटनाक्रम के बाद शरद पवार गुट ने स्पीकर से पार्टी तोड़ने वाले विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की थी. विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने विधायकों की अयोग्यता को लेकर 15 फरवरी को फैसला सुनाते हुए अजित गुट को ही असली एनसीपी करार दिया था और उनके गुट के 41 विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया था. गौरतलब है कि इससे पहले 6 फरवरी चुनाव आयोग ने भी अजित पवार गुट को असली एनसीपी करार दिया था. आयोग ने कहा था कि बहुमत के आधार पर अजित गुट ही असली है. इसके साथ ही चुनाव आयोग ने अजित गुट वाली एनसीपी को चुनाव चिह्न घड़ी के इस्तेमाल का अधिकार दिया था. 7 फरवरी को शरद पवार गुट को नया नाम नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार दिया गया था.

बाइक सवार युवक ने ट्रैफिक पुलिस को किया घायल

ठाणे : ठाणे शहर में एक बाइक सवार युवक ने ट्रैफिक सिग्नल तोड़ा और इसके बाद कथित तौर पर यातायात पुलिसकर्मी को घायल कर दिया। जानकारी के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई, जब सहायक उप-निरीक्षक सुरपाल भिकला बारेला कैडबरी जंक्शन सिग्नल पर ड्यसीएम ी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रोड पर जा रहे कुछ बाइक सवार लोगों ने सिग्नल तोड़ दिया। इन्ही लोगों में शामिल एक युवक को असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर सुपरपाल रोकने में कामयाब हो गए। अधिकारी ने बताया कि पकड़े जाने के बाद आरोपी भावेश म्हात्रे पर एक हजार रुपए का जुमार्ना लगा और पुलिसकर्मी ने उसे जुमार्ना भरने के लिए कहा। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर पुलिसकर्मी को गाली दी।

महावितरण: नेरुल डिवीजन के अधिकारियों-कर्मचारियों का सराहनीय प्रदर्शन

मुंबई : महावितरण का नेरुल डिवीजन बिजली चोरी रोकने के लिए नियमित अभियान चलाता है। फरवरी में चलाए गए बिजली चोरी अभियान के दौरान, नेरुल डिवीजन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने घरेलू ग्राहकों से बिजली की चोरी पकड़ने में उल्लेखनीय काम किया। नेरुल सब-डिवीजन के शाखा कार्यालय-1 के शाखा अभियंता आशीष इंगले कई दिनों से संदिग्ध ग्राहक की बिजली खपत की निगरानी कर रहे थे। उन्होंने यह बात नेरुल उपमंडल के अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता यह बात विनायक बुधवंत ने बताई। उसके बाद विनायक बुधवंत के नेतृत्व में दो टीमों ने करावे गांव में रहने वाले ग्राहक के घर पर छापेमारी की। ग्राहक ने एक फोटो फ्रेम के पीछे एक चेंजओवर स्विच छुपाया था, जिसमें 4 एसी का उपयोग होता पाया गया। इंजीनियर अविनाश अभाले, कृष्णत पाटिल एवं सारिका अष्टनकर, सागर पाटिल, प्रवीण दानव टीम के साथ डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद स्वाति लाड ने स्विच ढूंढा और ग्राहक द्वारा की गई 8.21 लाख रुपए की चतुराईपूर्ण बिजली चोरी पकड़ी।

लड़की से छेड़छाड़... बाप ने 46 वर्षीय व्यक्ति को उतारा मौत के घाट

भिवंडी : भिवंडी में एक खलबलीजनक मामला प्रकाश में आया है। नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने से आक्रोशित उसके पिता ने एक 46 वर्षीय व्यक्ति की पीट पीटकर उसकी हत्या कर दी और फरार हो गया । नारपोली पुलिस हत्या का केस दर्जकर हत्यारे पिता की तलाश में सरगर्मी से जुट गई है। इस घटना को लेकर इलाके में तरह तरह की चचाएं व्याप्त है। पुलिस के अनुसार उत्तरप्रदेश के मड़ियाहूं तहसील के बनपुरवा निवासी ओमप्रकाश महादेव पाल (46) पिछले चार माह से भिवंडी तालुका के काशेली इलाके में रहते और

बेगारी का कार्य करते थे। 22 फरवरी को रात 10.45 बजे इसी इलाके के मैत्री पार्क के जी विंग सरस्वती रेसीडेंसी के सामने ओमप्रकाश को इसी इलाके में रहने वाले बिलाल समसुद्दीन अंसारी (34) ने लात घूसों से जमकर इस प्रकार पिटाई कर दिया और उसके सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। नारपोली पुलिस ने बताया कि बिलाल ने उसे इसलिए पीटा क्योंकि वह उसके नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ किया था।

जालना में मराठा आंदोलन कारियों ने बस जलाई...

महाराष्ट्र के तीन जिलों में इंटरनेट सस्पेंड, मनोज जरांगे जालना से सैराती गांव वापस लौटे

महाराष्ट्र : मराठा आंदोलन के प्रदर्शनकारियों ने अंबाड तालुका के तीर्थपुरी शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर एक स्टेट ट्रांसपोर्ट बस को आग लगा दी। इसके बाद महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और जालना में बस सर्विस को रोक दिया है। बीड़, संभाजीनगर और जालना में शाम 4 बजे तक इंटरनेट सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, मराठा आंदोलन के लीडर मनोज जरांगे पाटिल जालना से अपने गांव सैराती लौट गए हैं। उन्हें मुंबई जाना था, लेकिन पुलिस ने कल उन्हें जालना जिले की सीमा में ही रोक रखा था। मनोज को उनके स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर पुलिस ने रोका था। देर रात वे जालना जिले के भांबोरी गांव में ही रुके थे। देर रात से सुबह के बीच पुलिस ने जरांगे पाटिल के करीबियों को हिरासत में लेना शुरू किया। शैलेंद्र पावर और बालासाहेब इंगले सहित श्रीराम कुरणकर को हिरासत में लिया है। इस बीच मनोज जारंगे पाटिल ने ऐलान किया कि दोपहर 12 बजे से फिर से मुंबई के लिए निकलेंगे। इसके बाद गांव में भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया। वहीं, बड़ी संख्या में मराठा आंदोलनकारी भी पहुंचना शुरू हो गए। जालना में बढ़ते तनाव को देखते हुए जिले में डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने धारा 144 लगा दी है। लोगों के एक साथ जमा होने पर पाबंदी लगाई है।

नाना पटोले बोले- आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री और जरांगे की बातचीत सार्वजनिक हो

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री और जरांगे के बीच क्या बातचीत हुई, ये जनता के सामने आना चाहिए। जब लाठीचार्ज हुआ, उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि उन्होंने लाठी चार्ज कराया था। उपमुख्यमंत्री ने लाठी चार्ज के आदेश क्यों दिए थे यह उन्हें बताना चाहिए। पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र की सरकार सरकार चलाने में सक्षम नही है। आज जब जरांगे पाटिल ने उपमुख्यमंत्री को गाली दी है तो इन्हें तकलीफ हो रहा है। जरांगे कई महीनों से मुझे, छगन भुजबल और कांग्रेस के कई नेताओ को गाली दे रहे हैं। तब किसी ने आपत्ति क्यों नहीं व्यक्त की।

मराठा आरक्षण का इतिहास

मराठा खुद को कुनबी समुदाय का बताते हैं। इसी के आधार पर वे सरकार से आरक्षण की मांग कर रहे हैं। कुनबी, कृषि से जुड़ा एक समुदाय है, जिसे महाराष्ट्र में अन्य पिछड़ा वर्ग की कैटेगरी में रखा गया है। कुनबी समुदाय को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण लाभ का मिलता है। मराठा आरक्षण की नींव पड़ी 26 जुलाई 1902 को, जब छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज और कोल्हापुर के महाराजा छत्रपति शाहूजी ने एक फरमान जारी कर कहा कि उनके राज्य में जो भी सरकारी पद खाली हैं, उनमें 50% आरक्षण मराठा, कुनबी और अन्य पिछड़े समूहों को दिया जाए। इसके बाद 1942 से 1952 तक बॉम्बे सरकार के दौरान भी मराठा समुदाय को 10 साल तक आरक्षण मिला था। लेकिन, फिर मामला ठंडा पड़ गया। आजादी के बाद मराठा आरक्षण के लिए पहला संघर्ष मजदूर नेता अन्नासाहेब पाटिल ने शुरू किया। उन्होंने ही अखिल भारतीय मराठा महासंघ की स्थापना की थी। 22 मार्च 1982 को अन्नासाहेब पाटिल ने मुंबई में मराठा आरक्षण समेत अन्य 11 मांगों के साथ पहला मार्च निकाला था। उस समय महाराष्ट्र में कांग्रेस (आई) सत्ता में थी और बाबासाहेब भोसले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे। विपक्षी दल के नेता शरद पवार थे।

जरांगे ने फड़णवीस पर लगाए मराठा आरक्षण रोकने के आरोप

मनोज जरांगे ने रविवार को आंतरवाली सराटी गांव में आंदोलन को लेकर बैठक बुलाई। इसमें जरांगे ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस पर गंभीर आरोप हुए कहा- अकेले देवेंद्र फड़णवीस ही मराठा समुदाय को आरक्षण मिलने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा- फडणवीस अगर आपको मेरी बलि चाहिए तो मैं तैयार हूं। अगर आप मुझे मारने की साजिश रच रहे हैं, तो मैं भूख हड़ताल पर मरने के बजाय आपकी चौखट पर मरने के लिए तैयार हूं। ये लोग मराठाओं को खत्म करना चाहते हैं। इसमें सीएम शिंदे के लोग हैं और अजित दादा के दो विधायक हैं। ये देवेन्द्र फडणवीस की साजिश है। मैं आपका जीना मुश्किल कर दूंगा। इसके बाद एकनाथ शिंदे ने प्रेस कान्फ्रेंस में फड़णवीस का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जरांगे की भाषा राजनीतिक लग रही है। उनकी मांगें बदलती जा रही हैं। ऐसा लग रहा है जैसे कोई उनको शब्द लिखकर दे रहा है। उनका यूं आरोप लगाना महाराष्ट्र की संस्कृति नहीं है। सीएम शिंदे ने कहा, 'मराठा आरक्षण को लेकर हमने जो कहा था वो किया। कुछ लोग राज्य में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। जरांगे मराठाओं के लिए प्रामाणिक भावनाओं के तहत लड़ रहे हैं। सरकार मराठा समाज के लिए सकारात्मक प्रयास कर रही है। जरांगे की सभी मांगे मानी गईं। मैं उनके हर आंदोलन में उनसे मिलने भी गया।

महिला ने नेता और उसके बेटे पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

नवी मुंबई : 28-वर्षीय एक महिला ने एक शिवसेना नेता और उसके बेटे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है कि पिता-पुत्र द्वय ने उसके (महिला) और उसकी मां के साथ बार-बार बलात्कार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि महिला ने शनिवार को शिवसेना नेता और उसके बेटे के खिलाफ शिकायत लेकर अंबोली पुलिस थाने का दरवाजा खटखटाया था और अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी नेता महिला को उसके पति से तलाक दिलाने में मदद कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि पिता-पुत्र ने कथित तौर पर अलग-अलग स्थानों पर महिला और उसकी मां के साथ कई बार दुष्कर्म किया।

बस में आग लगी, बाल-बाल बचे यात्री

ठाणे : ठाणे शहर में रविवार सुबह राज्य परिवहन निगम की एक बस में आग लग गई। इस दौरान बस में सवार लगभग 45 यात्रियों में से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने कहा कि यह घटना कलवा थाने के करीब विटवा पुल के पास सुबह आठ बजकर 18 मिनट पर हुई।

थाने में जाकर गोली चलाने की घटना उचित नहीं है, लेकिन इस बात की भी जांच होनी चाहिए - राज ठाकरे

मुंबई : उल्हासनगर में हुई फायरिंग को लेकर मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है. राज ठाकरे ने कहा ''विधायक गणपत गायकवाड़ द्वारा थाने में जाकर गोली चलाने की घटना उचित नहीं है, लेकिन इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि एक जनप्रतिनिधि को इतना बड़ा कदम उठाने के लिए किसने मजबूर किया.' राज ठाकरे ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति पुलिस स्टेशन जाता है और ऐसा कदम उठाता है तो उसकी मानसिक स्थिति के बारे में सोचना चाहिए.

राज ठाकरे ने आगे कहा कि मामले की गहन जांच होनी चाहिए. इसकी कोर्ट में जांच होगी और सच्चाई सामने आ जाएगी. दरअसल, बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड़ ने कल्याण के एक पुलिस स्टेशन में घुसकर कल्याण पूर्व शिव सेना (शिंदे समूह) के शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ पर गोली चला दी थी, जिससे राज्य की राजनीति में बड़ा हंगामा मच गया. इस घटना से एक बार फिर राज्य में कानून-व्यवस्था का सवाल खड़ा हो गया है.

बता दें कि, गोलीबारी की घटना के बाद विधायक गणपत गायकवाड़ और पांच लोगों को उल्हासनगर कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. सुरक्षा कारणों से विधायक गणपत गायकवाड़ को तलोजा जेल भेज दिया गया है. शिव सेना शिंदे गुट के कल्याण शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है. मामला जमीन विवाद से उपजा था. महेश, गायकवाड़, राहुल पाटिल समेत 70 लोगों के खिलाफ जमीन हड़पने की कोशिश का मामला दर्ज किया गया है. विधायक गणपत गायकवाड़ के ठेकेदारों ने महेश गायकवाड़ समेत 70 लोगों के खिलाफ हिललाइन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है. महेश गायकवाड़ और राहुल पाटिल से भी पूछताछ की जाएगी. उल्हासगढ़ में हुई गोलीबारी की घटना के बाद अलग-अलग राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं.

रेलवे के लेबर बोर्ड के अकाउंट से करोड़ों निकले... दो आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मध्यप्रदेश के बालाघाट से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नकली चेक और सिग्नेचर का इस्तेमाल कर रेलवे गुड्स क्लियरिंग एंड फॉरवार्डिंग एस्टेब्लिशमेंट लेबर बोर्ड के खाते में से अपने बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर लिए। उन पैसों को आरोपियों ने दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए। मामले में पायधुनि पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई थी, जिसकी जांच ईओडब्ल्यू द्वारा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को बालाघाट से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम कौशलेंद्र मधुकर देकाते और वीरेंद्र हरिकिशन दहिकर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

नकली चेक से निकाले पैसे

पुलिस को दी गई शिकायत में अध्यक्ष ने कहा है कि आरोपियों में से पहले ने 282 और 284 नंबर के चेक से दो बार में 1 करोड़ 91 लाख 42 हजार रुपए निकले, इसके अलावा दूसरे आरोपी ने 277 नंबर के चेक से अकाउंट से पैसे निकाले और बालाघाट के अपने अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए। पुलिस मामले में यह छानबीन कर रही है कि आरोपियों के पास सेम नंबर के चेक कहाँ से आये। इसके अलावा अकाउंट में जिस सिग्नेचर का इस्तेमाल हो रहा है वह आरोपियों को कहां से मिला है।

10 महीने से फरार दोहरे हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

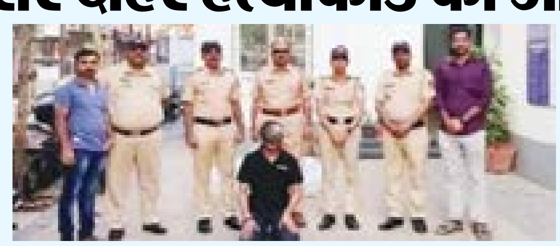

नालासोपारा : आचोले पुलिस स्टेशन अंतर्गत नालासोपारा पूर्व क्षेत्र मे दो लोगों की हत्या के मामले में पिछले साल मई से फरार 20 वर्षीय व्यक्ति को आचोले पुलिस ने जाल बिछकार नालासोपारा से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि, हत्या के संबंध में आचोले पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ कलम 302,307,212 के तहत 17.5.2023 को मुकदमा दर्ज किया गया था। फिलहाल, यह कार्रवाई डीसीपी पौर्णिमा चौगुले व एसीपी उमे माने-पाटील के मार्गदर्शन में आचोले पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई बालासाहेब पवार व पुलिस निरीक्षक (क्राइम)विवेक सोनावणे के नेतृत्व में आचोले पुलिस ने की है। पुलिस अधिकारी ने बताया है कि, 17 मई, 2023 को यहां नालासोपारा इलाके के शिरड़ी नगर में हुई घटना में 18 साल के रौनक अंजनी तिवारी और किशन संजय झा की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य व्यक्ति शिवम ओमप्रकाश मिश्रा घायल हो गया था। पुलिस को मृतकों के आंशिक रूप से जले हुए शव मिले थी, जिनके सिर पर चोटें भी थीं। तिवारी, झा और मिश्रा दोस्त थे। पुलिस ने बताया कि पुलिस को दो लोगों की हत्या में मिश्रा की भूमिका पर संदेह था और अस्पताल में इलाज के दौरान भी वह उस पर नजर रखे हुए थी।

ईडी ने निरंजन हीरानंदानी और उनके बेटे को पूछताछ के लिए मुंबई बुलाया... जारी किया समन

मुंबई : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए रियल एस्टेट डेवलपर हीरानंदानी समूह के प्रमोटरों निरंजन हीरानंदानी और उनके दुबई स्थित बेटे दर्शन हीरानंदानी को तलब किया है। पिता-पुत्र को मुंबई में केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। जांच एजेंसी ने गुरुवार को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) प्रावधानों के तहत हीरानंदानी समूह और उसके समूह की संस्थाओं से जुड़े चार परिसरों की तलाशी ली थी। सूत्रों ने बताया कि निरंजन एवं दर्शन हीरानंदानी को केंद्रीय एजेंसी के मुंबई स्थित कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है, लेकिन वे एक अधिकृत प्रतिनिधि के जरिये अपनी प्राथमिक प्रतिक्रिया

देने का विकल्प चुन सकते हैं। दर्शन हीरानंदानी पिछले कई सालों से दुबई में रह रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने फेमा के उल्लंघन के आरोपों की जांच के सिलसिले में, रियल एस्टेट समूह हीरानंदानी के मुंबई में और उसके आसपास स्थित लगभग चार परिसरों पर पिछले सप्ताह छापे मारे थे।

ऐसा बताया जा रहा है कि कुछ विदेशी लेनदेन के अलावा, एजेंसी हीरानंदानी समूह के प्रवर्तकों से कथित तौर पर जुड़े ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) स्थित एक न्यास के लाभार्थियों की भी जांच कर रही है। समूह ने कहा है कि वह फेमा संबंधी इस जांच में संघीय एजेंसी के साथ सहयोग करेगा।

बीजेपी और शिवसेना से क्यों हाथ मिलाया?

डिप्टी सीएम अजित पवार ने किया बड़ा खुलासा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने रविवार (25 फरवरी) की रात अपने 'एक्स' ( ) हैंडल पर एक बयान जारी कर पाला बदलने और बीजेपी और शिवसेना से हाथ मिलाने के अपने कारणों को साफ किया है. अजित पवार ने अपने बयान में कहा है- ''मैंने एक विचारधारा और उद्देश्य के साथ बिना किसी समझौता किए विकास कार्यों को पूरा करने के इरादे से अपनी भूमिका निभाई है. मैंने पाया कि इस देश में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में महत्वपूर्ण विकास कार्य हो रहे हैं''. मुझे उनके नेतृत्व और सही निर्णय लेने की प्रक्रिया जैसे गुण पसंद आए. मेरी और उनकी कार्यशैली बहुत समान है.

मुंबई में 1930 नंबर ने बचाये लगभग साढ़े तीन करोड़...

मुंबई : मुंबई दक्षिण सायबर अपराध शाखा ने शिकायतकर्ता द्वारा तत्परता दिखाये जाने के बाद एक अकाउंट से निकले गए 4.63 करोड़ रुपए धोखाधड़ी करने के आरोप में सुखबीर सिंह सूरी को पुलिस में गिरफ्तार कर लिया है।इसके अलावा 3.70 करोड़ रुपए 48 घंटे के भीतर जब्त किया है। सतर्क शिकायतकर्ता रितु वोरा ने हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके धोखाधड़ी की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत पैसे रुपए जब्त कर लिए। पीड़िता ने अपनी आपबीती विस्तार से बताते हुए कहा कि शुरूआत में इंस्टाग्राम पर धोखेबाजों ने उससे संपर्क किया था, जिन्होंने उसे दोगुना रिटर्न देने के वादे के साथ शेयर बाजार में निवेश करने का लालच दिया था। कथित लाभ दिखाने के लिए एक ऐप बनाया गया था, लेकिन जब उसने धनराशि निकालने की कोशिश की, तो उसे पता चला कि उसके साथ 4.63 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई है। मामले की जानकारी पाने के लिए पीड़ित ने ग्रुप एडमिन से संपर्क किया, जिसने इंदिरा सिक्योरिटीज में सहायक के रूप में काम करने का दावा किया। एडमिन ने उन्हें इंदिरा सिक्योरिटीज नामक ऐप के लिए एक पंजीकरण लिंक प्रदान किया।

4 साल से फरार आरोपी गैंगस्टर को नवी मुंबई में गिरफ्तार, हत्या के मामले में हुआ था नामजद

नवी मुंबई : महाराष्ट्र के नवी मुंबई में विक्रांत देशमुख गिरोह के 31 वर्षीय एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोमवार को जानकारी दी कि वह हत्या के एक मामले में पिछले चार साल से फरार चल रहा था। अपराध शाखा के अधिकारियों ने कहा आरोपी राकेश जनार्दन कोली और गिरोह के अन्य सदस्यों ने सितंबर 2019 में नेरुल इलाके के सचिन गारजे का दुश्मनी के चलते अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी और उसके शव को नाले में फेंक दिया था। अधिकारी ने कहा आरोपियों ने बाद में शव को बाहर निकाला और सबूत नष्ट करने

के लिए उसे जला दिया और नाले के पास जमीन के नीचे दफना दिया। गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ करने पर पुलिस को शव के ठिकाने लगाने की जानकारी मिली जिसे बाद में जमीन से बाहर निकाला गया। पुलिस ने कहा वर्ष 2022 में देशमुख को गोवा से गिरफ्तार किया गया था और उसके कुछ अन्य सहयोगियों को भी बाद में गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस ने कहा कि कोली और अन्य आरोपियों पर प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। कोली इस मामले का 17वां आरोपी था और वह फरार चल रहा था। वह राज्य में एक जिले से दूसरे जिले में अपने ठिकाने बदलता रहता था। अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया। वह उरण के घवनगांव आने वाला था पुलिस ने शनिवार को जाल बिछाया और जैसे ही वह वहां पहुंचा उसे पकड़ लिया। अधिकारी ने बताया कि उसे रविवार को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया।

एडमिशन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरफ्तार

इच्छुक लोगों का डाटा चुराकर करते थे धोखाधड़ी

मुंबई : गामदेवी पुलिस ने स्कूल प्रवेश दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश के रहने वाले आरोपियों ने कथित तौर पर स्कूल में एडमिशन लेनेवालों का डेटा प्राप्त किया और स्कूल के एडमिनिस्ट्रेशन विभाग से स्वामी फ्रांसिस के नाम से फोन किया। आरोपियों ने मालाबार हिल में कैंपियन स्कूल में प्रवेश के लिए 30 हजार रुपए लिए। गामदेवी पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में अबतक साढ़े तीन लाख की धोखाधड़ी के बारे में पुलिस को पता चला है। यह पूरी घटना तब सामने आई जब विमल देव ठक्कर

ने शिकायत दर्ज कराई कि उनकी डॉक्टर बहू ने अपने 3 साल 3 महीने के बच्चे के कैंपियन स्कूल, कोलाबा में एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। 11 जनवरी को इंटरविव के लिए एक ईमेल का निमंत्रण प्राप्त हुआ। जिसके बाद ठक्कर को दस्तावेज जमा करने के दौरान सूचित किया गया था कि उन्हें 15 दिनों के भीतर एक कॉल प्राप्त होगी। 17 जनवरी को ठक्कर को कैंपियन स्कूल के प्रशासनिक विभाग से स्वामी फ्रांसिस होने का दावा करने वाले किसी व्यक्ति का फोन आया। फोन करनेवाले ने बच्चे के प्रवेश के लिए 3.5 लाख रुपये का डोनेशन और 95 हजार रुपये की वार्षिक फीस की मांग की। ठक्कर ने दिए गए बैंक खाते में 3.5 लाख ट्रांसफर कर दिए। अगले दिन, जब स्कूल में फॉलो-अप करने का प्रयास किया गया, तो ठक्कर को पता चला कि वहां कोई नियुक्ति नहीं थी, जिससे उन्हें संदेह हुआ और गामदेवी पुलिस में शिकायत की गई।

गोवंश मांस से भरा टेंपो जब्त... दो गिरफ्तार

भिवंडी : कोनगांव पुलिस ने नाशिक-मुंबई हाइवे स्थित राजनोली नाके पर जला बिछाकर गोवंश मांस से भरा एक टेंपो पकड़ा है। वही पर टेंपो में छिपाकर गोवंश का मांस ले जा रहे कुर्ला, कुरेश नगर निवासी अब्दुल रहेमान अली मोहम्मद खान और रहेमन मोहम्मद ताज शाह को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

इस कारवाई में एक टेंपो तथा टेंपो में भरा 500- 600 किलो मांस कुल दो लाख रुपए का मुद्देमाल जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक बढ़ते अपराधिक घटनाओं को देखते हुए कोनगांव पुलिस ने हाइवे पर कडा बंदोबस्त लगाया है। राजनोली नाका के चारों तरफ पुलिस सक्रिय है और अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए नाकाबंदी की जा रही है।

सायबर ठगी में पीएचडी कर रहा छात्र गिरफ्तार

7.3 लाख रुपए आईटी कर्मचारी के ठगे थे...

मुंबई : साइबर सेल पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी मामले में एक आईटी कंपनी के कर्मचारी से 7.3 लाख रुपए ठगने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी राजस्थान का और दो पंजाब के रहनेवाले हैं। दक्षिण मुंबई के निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि उसे 12 दिसंबर को एक व्हाट्सएप मैसेज के जरिये उन्हें अंशकालिक नौकरी का लालच दिया गया था। जिसमें कहा गया था कि फिल्में

देखकर उसे रेटिंग देना है, जिससे मोटा मुनाफा होगा। एक फिल्म को 10 में से 10 रेटिंग देने के बाद पीड़ित को शुरूआत में उसके खाते में 150 रुपए भेजे गए, जिसके बाद उसे एक टेलीग्राम ग्रुप में शामिल होने के लिए निर्देशित किया गया। इसी में उन्हें कार्य सौंपे गए, चार कार्यों के लिए 200 रुपए का भुगतान किया गया था और उनके प्रारंभिक निवेश के बाद प्रत्येक कार्य पूर्ण करने के लिए 150 रुपए शिकायतकर्ता को दिए जा रहे थे। इसके बाद दूसरे टेलीग्राम ग्रुप में शामिल गया। शुरूआत में 800 रुपए फायदा शिकायतकार्या को हुआ, लेकिन बाद में स्थिति बदल गई जब उन्होंने अपने निवेश और मुनाफे का रिटर्न मांगा तब बदले में उन्हें कुछ नहीं कुल 7.3 लाख रुपए खोने पीड़ित ने शिकायत दर्ज जिसके बाद तीन संदिग्धों की हुई। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में राजस्थान का एक 19 वर्षीय आईटीआई छात्र, एक 38 वर्षीय फल विक्रेता और पंजाब का एक 29 वर्षीय साइकिल विक्रेता शामिल है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८९ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com